सुपर हुए शुगर शेयर, एक्सपोर्ट सब्सिडी का बूस्टर मिला

[ईटी ब्यूरो | मुंबई]

सरकार की तरफ से बुधवार को 2019-20 के शुगर सीजन का सरप्लस स्टॉक खत्म करने के मकसद से ₹6,268 करोड़ की एक्सपोर्ट सब्सिडी देने का ऐलान किए जाने के अगले दिन यानी गुरुवार को शुगर स्टॉक्स में 20% तक की तेज उछाल आई। पिछले कुछ हफ्तों से बाजार में चल रही बिकवाली के बीच ज्यादातर शुगर स्टॉक्स का डिलीवरी वॉल्यूम बढ़ रहा था और उनके दाम लगातार चढ़ रहे थे। विश्लेषक बलरामपुर चीनी, धामपुर शुगर, डालमिया भारत शुगर, द्वारिकेश शुगर, त्रिवेणी इंजीनियरिंग और अवध शुगर पर बुलिश हैं।

सरकार की तरफ से उठाए गए कदमों और इंडस्ट्री के अनुकूल बायोफ्यूल पॉलिसी बनाए जाने से वित्त वर्ष 2019 में शुगर कंपनियों के प्रॉफिट में खासी बढ़ोतरी देखी गई। हालांकि खासतौर पर चीनी का उत्पादन ज्यादा होने की वजह से शुगर कंपनियों का ऑपरेशनल कैश फ्लो नेगेटिव बना हुआ है। विश्लेषकों का कहना है कि चीनी का मौजूदा स्टॉक बेचे जाने और एथनॉल बनाने में ज्यादा गन्ने का इस्तेमाल होने से शुगर कंपनियों का ऑपरेशनल कैश फ्लो 2020 और वित्त वर्ष 2021 में बढ़ सकता है।

शेयरखान के असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट-रिसर्च कौस्तुभ पावसकर कहते हैं, 'सरकार के नए ऐलान और ग्लोबल मार्केट में शॉर्टेज होने के अनुमान से आने वाले बरसों में चीनी का दाम तेज होगा। शुगर कंपनियां ज्यादा एथनॉल प्रॉडक्शन के लिए डायवर्सिफिकेशन कर रही हैं, जिससे उन्हें नियर से मीडियम टर्म में अच्छा कैश फ्लो हासिल करने में मदद मिलेगी। हालांकि वैश्विक बाजार में चीनी की तंगी और भारत से होने वाले निर्यात में बढ़ोतरी का सकारात्मक प्रभाव वित्त वर्ष 2021 से दिखेगा।'

चीनी का उत्पादन ज्यादा होने की वजह से शुगर कंपनियों का ऑपरेशनल कैश फ्लो नेगेटिव बना हुआ है

सरकार ने बुधवार की शाम को ऐलान करते हुए कहा था कि सब्सिडी की रकम सीधे उन किसानों के खाते में जाएगी जिन्हें चीनी मिलों से गन्ने का बकाया भुगतान लेना है। बयान के मुताबिक शुगर सीजन 2019-20 के लिए चीनी मिलों को ₹10,448 प्रति टन की एकमुश्त एक्सपोर्ट सब्सिडी दी जाएगी। एकमुश्त सब्सिडी शुगर एक्सपोर्ट की फ्रेट चार्ज कॉस्ट के अलावा हैंडलिंग, अपग्रेडिंग और दूसरे प्रोसेसिंग एक्सपेंस सहित मार्केटिंग कॉस्ट के लिए दी जाएगी।

इस समय शुगर स्टॉक्स में अगले 12 महीनों के अनुमानित ईपीएस के मुकाबले 3 से 7 गुना वैल्यूएशन पर ट्रेड हो रहा है। अगर प्राइस टु बुक वैल्यू के हिसाब से देखें तो शुगर स्टॉक्स अगले एक साल की अनुमानित बुक वैल्यू के मुकाबले 0.7-1.2 गुना पर मिल रहे हैं। ICICI सिक्योरिटीज के एनालिस्ट संजय मान्याल कहते हैं, 'हमारा मानना है कि शुगर कंपनियों को ठोस आमदनी होने पर उनकी बुक वैल्यू अगले दो साल में 30-60% तक बढ़ सकता है। अगर हम किसी तरह की रीरेटिंग पर गौर नहीं करते हैं तो शुगर कंपनियों के शेयर एक साल आगे की अनुमानित बुक वैल्यू के मुकाबले कम से कम 1.0-1.5 गुना पर ट्रेड कर सकते हैं।

Economic Times
30/8/19